हरिभूमि
महासमुंद भूमि
रायपुर, गुरुवार 30 जुलाई 2026

[सरायपाली | बसना | पिथौरा | बागबाहरा | तुमगांव | खरियार रोड]

तापमान

अधिकतम 27.2 डिग्री

न्यूनतम 25.6 डिग्री

14 आचार्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक ...

14 महर्षि विद्या मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया...

खबर संक्षेप

घर के सामने से बाइक चोरी

महासमुंद। ग्राम मुनगासेर में बाइक चोरी के मामले में अज्ञात आरोपी के विरूद्ध पटेवा थाने में जुर्म दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि मुनगासेर निवासी रमाकांत ध्रुवंशी 27 जुलाई की रात 11 बजे अपनी बाइक प्लेटिना मोटर सायकल क्रमांक सीजी 06 जीक्यू 8152 को घर के सामने बोहार पेड़ के पास खड़ी किया था। सुबह जब देखा तो वहां पर बाइक नहीं थी। मामले की रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

रेलवे अंडरब्रिज में जलभराव, करोड़ों खर्च के बाद भी समस्या बरकरार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

जिले के अंतर्गत आने वाले बागबाहरा के नवागांव वार्ड क्रमांक 10 में रेलवे द्वारा बनाए गए अंडरब्रिज में जलभराव की गंभीर समस्या सामने आई है। करोड़ों रुपये की लागत से बने इस अंडरब्रिज में बारिश के कारण भारी मात्रा में पानी भर गया है, जिससे स्थानीय नागरिकों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मंगलवार रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद अंडरब्रिज पूरी तरह से जलमग्न हो गया।

जल निकासी की व्यवस्था सही न होने के कारण बारिश का गंदा पानी अंडरब्रिज के अंदर जमा हो गया। पानी अधिक भर जाने के कारण इस मार्ग पर दोपहिया और चारपहिया वाहनों की आवाजाही पूरी तरह से बाधित हो गई। स्थिति इतनी गंभीर थी कि लोगों के लिए पैदल निकलना भी जोखिम भरा साबित हुआ।

कई नागरिकों को मजबूरन जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करना पड़ा। अंडरब्रिज में बारिश का पानी जाने से रोकने के लिए लाखों रुपए की लागत से एक टिन शेड का निर्माण कराया गया था, लेकिन वह भी पूरी तरह बेअसर साबित हुआ। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि शेड के निर्माण में भारी लापरवाही बरती गई है, जिसके चलते बारिश का पानी सीधे अंडरब्रिज के भीतर पहुंच रहा है।

लोगों का कहना है कि यदि निर्माण कार्य के दौरान तकनीकी मानकों और जल निकासी पर ध्यान दिया गया होता, तो आज यह स्थिति पैदा नहीं होती।

जल निकासी की व्यवस्था सही नहीं होने के कारण भरा पानी, लोगों को हो रही परेशानी

बिजली कार्यालय और आपात सेवाओं पर असर

नवागांव वार्ड में बिजली विभाग का कार्यालय स्थित होने के कारण यह समस्या और अधिक बढ़ गई है। अंडरब्रिज में पानी भरने के कारण कर्मचारियों को कार्यालय तक पहुंचने में भारी कठिनाई होती है। ऐसी स्थिति में, यदि बारिश के दौरान किसी क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित होती है, तो सुधार कार्य समय पर नहीं हो पाएगा। इसके अलावा, एंबुलेंस और अन्य आपातकालीन सेवाओं के वाहनों के आवागमन में भी रुकावट आने की आशंका बनी रहती है, जिससे किसी भी आपात स्थिति में बड़ा खतरा हो सकता है।

स्थायी समाधान की मांग

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि अंडरब्रिज में जलभराव की यह समस्या नई नहीं है, बल्कि हर साल बारिश के मौसम में उन्हें इस परेशानी से जूझना पड़ता है। इस संबंध में कई बार रेलवे प्रशासन को सूचित किया जा चुका है और मीडिया के माध्यम से भी यह मामला उठाया गया है, परंतु अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। क्षेत्र के लोगों ने रेलवे प्रशासन से एक बार फिर जोरदार मांग की है कि अंडरब्रिज और टिन शेड निर्माण की कमियों को तुरंत सुधारा जाए। नागरिकों ने मांग की है कि अंडरब्रिज में जल निकासी की पुख्ता और स्थायी व्यवस्था की जाए ताकि बारिश के दिनों में भी मार्ग सुचारू रूप से चालू रहे और आम जनता को राहत मिल सके।

स्वास्थ्य : सर्दी, खांसी, बुखार के साथ-साथ उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा

मौसमी बीमारियों का प्रकोप, अस्पताल में भीड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- जिला अस्पताल में रोजाना 300 से 450 मरीजों का हो रहा पंजीयन

जिले में मानसून के दस्तक देते ही मौसमी बीमारियों ने पैर पसारना शुरू कर दिया है। जिला अस्पताल में इन दिनों सर्दी, खांसी, बुखार के साथ-साथ उल्टी-दस्त के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। अस्पताल के अलग-अलग वार्डों में मरीजों का इलाज जारी है, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ गया है। बरसात के इस मौसम में तापमान में गिरावट और लगातार बारिश में भीगने के कारण लोगों में वायरल फीवर, सर्दी और खांसी की शिकायत आम हो गई है।

इसके साथ ही दूषित जल, अनियमित खानपान और साफ-सफाई की कमी के चलते बड़ी संख्या में लोग उल्टी-दस्त की चपेट में आ रहे हैं। जिला अस्पताल के पंजीयन काउंटर पर इन दिनों रोजाना 300 से 450 मरीजों का पंजीयन हो रहा है, जिनमें अधिकांश मरीज सर्दी, खांसी, बुखार और पेट से जुड़ी समस्याओं से पीड़ित हैं।

विभिन्न वार्डों में मरीजों का उपचार

इनमें सर्दी-खांसी के अलावा उच्च रक्तचाप, एनीमिया और सर्पदंश के मरीज भी शामिल हैं। इसी तरह महिला वार्ड और न्यू वार्ड में उल्टी-दस्त, रक्त की कमी और अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही महिलाओं का इलाज चल रहा है। वहीं शिशु वार्ड में सिकलसेल, निमोनिया और दस्त जैसी गंभीर समस्याओं से पीड़ित बच्चों को भर्ती कर उपचार किया जा रहा है, जिससे बाल चिकित्सा विभाग में भी मरीजों की खासी भीड़ देखी जा रही है।

चिकित्सकों की सलाह और सावधानियां

बढ़ते मामलों को देखते हुए जिला अस्पताल के विशेषज्ञों ने आम जनता को विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। चिकित्सकों का कहना है कि इस मौसम में बच्चों और बुजुर्गों की सेहत पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। बच्चों और परिजनों को हमेशा गर्म और ताजा भोजन ही दें। बासी भोजन खाने से बचें, क्योंकि इस मौसम में भोजन में फफूंद लगने और संक्रमण का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। बारिश में भीगने से बचें और यदि भीग जाएं तो तुरंत सूखे कपड़े पहनें। पीने के पानी को उबालकर या छानकर उपयोग करें। अपने घर और आसपास साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, ताकि जलभराव न हो और मक्खी-मच्छरों का प्रकोप न बढ़े। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि थोड़ी सी भी तबियत खराब होने पर तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल पहुंचकर डॉक्टर से सलाह लें और समय पर उपचार कराएं, ताकि बीमारी को गंभीर होने से रोका जा सके।

आज से शिवालयों में गूंजेंगे हर-हर महादेव के जयकारे, सावन मास में शिवमय होगा पूरा अंचल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

धार्मिक आस्था, उत्सव और उल्लास से भरपूर आषाढ़ मास के समापन के बाद आज से भगवान शिव की आराधना का पवित्र महीना सावन आरंभ हो चुका है। सावन के आगमन को लेकर शहर सहित पूरे ग्रामीण अंचलों में श्रद्धालुओं और किसानों के बीच अभूतपूर्व उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। जिले के तमाम प्रमुख शिवालयों में इस बार शिवभक्तों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है, जिसकी तैयारियां मंदिरों में अभी से शुरू हो चुकी हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार, सावन का पूरा महीना देवों के देव महादेव की आराधना के लिए समर्पित होता है। जिले के प्रसिद्ध शिव मंदिरों में सुबह से लेकर देर शाम तक विशेष पूजा-अर्चना, जलाभिषेक, रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का दौर चलेगा। श्रद्धालु सावन के प्रत्येक सोमवार को व्रत रखकर भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस वर्ष सावन मास में चार सोमवार का अत्यंत शुभ संयोग बन रहा है, जिसके तहत श्रद्धालु इन तिथियों पर विशेष व्रत और अनुष्ठान करेंगे, पहला सोमवार 3 अगस्त को, दूसरा सोमवार 10 अगस्त को, तीसरा सोमवार 17 अगस्त को एवं चौथा सोमवार 24 अगस्त को समापन होगा। सावन का महीना केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह अपनी सांस्कृतिक परंपराओं और लोक पर्वों के लिए भी विशेष पहचान रखता है। महासमुंद जिले में छत्तीसगढ़ के पारंपरिक लोक पर्वों सहित कई बड़े त्योहारों की धूम रहेगी, जिससे पूरा अगस्त महीना भक्तिमय और उल्लासपूर्ण रहेगा। इस दौरान प्रमुख त्योहारों की तिथियां शामिल हैं। जिसमें हरियाली अमावस्या (हरेली) 12 अगस्त, हरियाली तीज 15 अगस्त, नागपंचमी 17 अगस्त, रक्षाबंधनः 28 अगस्त होने वाली हैं। सावन के आगमन और आगामी त्योहारों को देखते हुए जिला मुख्यालय के स्थानीय बाजारों में भी रौनक बढ़ने लगी है।

खबर संक्षेप

मोहंदा स्कूल में मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व

अरंड (पिथौरा)। शासकीय प्राथमिक शाला मोहंदा में गुरु पूर्णिमा मनाया गया। इस मौके पर बच्चों द्वारा शिक्षकों का सम्मान किया गया। प्रधान पाठक डिगमलाल साहू ने गुरु की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय संस्कृति में गुरु महिमा का अर्थ गुरु का सर्वोच्च स्थान और उनका महत्व है, जो अज्ञान के अंधकार को मिटाकर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं। गुरु को ईश्वर से भी बढ़कर माना गया है। क्योंकि, वहां तक पहुंचने का मार्ग दिखाते हैं। हरिशंकर पटेल ने कहा कि शिक्षक बच्चों का मार्गदर्शक होता है। बच्चों को अज्ञानता के अंधकार से निकालकर ज्ञान का प्रकाश फैलाता है। चंद्रकांति ठाकुर ने गुरुओं का सम्मान करने, उनके बताये हुए ज्ञान का अनुसरण कर आगे बढ़ने बच्चों को प्रेरित किया।

अन्न के महत्व पर कार्यशाला 2 को

महासमुंद। अन्न (मिलेट्स) के महत्व के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वास्थ्य और टिकाऊ कृषि के लिए अन्न (मिलेट्स) एक वरदान हैं विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला सह संवादात्मक सत्र का आयोजन 2 अगस्त 2026 को दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक जिला पंचायत महासमुंद के सभाकक्ष में किया जाएगा। कार्यशाला में देश के प्रसिद्ध कृषि विशेषज्ञ एवं मिलेट्स मैन ऑफ इंडिया डॉ. खादर वली मुख्य वक्ता के रूप में शामिल होंगे। वे किसानों के साथ संवाद करते हुए अन्न (मिलेट्स) की खेती, प्राकृतिक कृषि, पोषण सुरक्षा, जल संरक्षण, कम लागत वाली खेती तथा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच मिलेट्स की उपयोगिता पर विस्तृत जानकारी साझा करेंगे। यह कार्यक्रम छत्तीसगढ़ राज्य कृषक कल्याण परिषद के अध्यक्ष सुरेश कुमार चंद्रवंशी, छत्तीसगढ़ राज्य बीज एवं कृषि विकास निगम लिमिटेड के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, जिला प्रशासन तथा कृषि विभाग के समन्वय से आयोजित किया जा रहा है। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग ने जिले के सभी कृषकों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा कृषि से जुड़े हितधारकों से इस कार्यशाला में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अन्न (मिलेट्स) आधारित खेती एवं उसके लाभों की जानकारी प्राप्त करने की अपील की है।

गुरु पूर्णिमा पर बेलसोंडा स्कूल परिसर में हुआ पौधारोपण

महासमुंद। गुरु पूर्णिमा पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेलसोंडा में पौधरोपण का कार्यक्रम हुआ। विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक 30 पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाना तथा प्रकृति के प्रति प्रेम एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। यह कार्यक्रम प्राचार्य देवनारायण जांगड़े के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यालय के समस्त स्टाफ के सहयोग से हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पौधों के महत्व तथा उनकी देखभाल के बारे में जानकारी दी गई। सभी विद्यार्थियों ने पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया। यह कार्यक्रम विद्यालय के हरित एवं स्वच्छ परिसर की दिशा में एक सराहनीय पहल रहा।

सौरभ बांसवार का निधन

महासमुंद। शहर से लगे ग्राम खैरा निवासी सौरभ (गोलू) बांसवार का सोमवार को आकस्मिक निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार भलेसर रोड स्थित मुक्तिधाम में किया गया। वे पिंकू बांसवार (शिक्षक) के भाई एवं चंचल बांसवार के पति थे।

सावन के पहले झमाझम बारिश से जोंक नदी उफान पर, खेत भी लबालब, जनजीवन हुआ अस्त-व्यस्त

नर्रा। उत्तरी ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण मौसम विज्ञान विभाग द्वारा भारी बारिश होने की अलर्ट जारी किया गया है। आषाढ़ मास की विदाई और श्रावण मास के आगमन के साथ हो रही गरज-चमक के साथ रात और दिन अनवरत झमाझम बारिश से पूरे क्षेत्र में जलभराव की स्थिति बन गई है। खेत-खलिहान पूरी तरह लबालब होकर नदियों का रूप ले चुके हैं, जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। वही जोंक नदी उफान पर है। पानी ब्रिज के ऊपर से एक से डेढ़ फीट पानी बहने की खबर है। क्षेत्र की जीवनदायिनी जोंक नदी में पानी का बहाव बेहद तेज हो गया है। नदी का मटमैला पानी उफान मारते हुए पुल (ब्रिज) के ऊपर से बहते हुए बह रहा है। नर्रा के ग्रामीणों ने कहा कि लगभग 15 से 16 साल पहले भी दिन रात मूसलाधार बारिश होने से पुल डूब गया था। जलस्तर इतना बढ़ गया है कि उफनती नदी और ब्रिज के ऊपर पानी के विहंगम दृश्य को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुट रहे हैं। ब्रिज के ऊपर से तेज पानी का बहाव के कारण अप्रिय स्थिति से निपटने अंतरराज्यीय जांच चौकी नर्रा में कर्मचारी तैनात रहे। कर्मचारियों ने बैरिकेड्स लगाकर यातायात रोका। वहीं बारिश के चलते किसानों को भी नुकसान हुआ है, रोपाई के लिए तैयार किए गए धान के पौधे पानी में डूब गए हैं, जिससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

समीक्षा : जिले में 9708 हेक्टेयर में दलहन और तिलहन की ली जा रही है फसलें

धान के बदले अन्य फसल लेने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें : कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने जिला पंचायत सभाकक्ष में कृषि विभाग की विशेष समीक्षा बैठक ली। जिसमें कलेक्टर ने सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को धान के बदले दलहन व तिलहन फसलों को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने बैठक में कहा कि राज्य शासन की मंशा है कि उच्चहन भूमि में धान के बदले दलहन तिलहन और अन्य फसलों को अधिक से अधिक क्षेत्रफल में लगाया जाए। ताकि, किसान केवल धान पर ही निर्भर न रहें। शासन द्वारा कृषक उन्नति योजना अंतर्गत प्रति एकड़ 15 हजार रुपए की राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जिले में दलहन, तिलहन के अलावा उद्यानिकी

फसलों का भी क्षेत्राच्छादन बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने बड़े किसानों को प्रेरित करने और अधिक से अधिक किसानों को इसके लाभ बताने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर लंगेह ने सभी ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे लगातार अपने क्षेत्र के गांवों में जाएं और किसानों से सीधे संवाद करें। इससे हम किसानों और उनकी समस्याओं को और अधिक से समझ पाएंगे। उन्होंने फसल बीमा योजना को लेकर भी इस पर बारीकी से नजर बनाए रखने को कहा। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनुपमा आनंद ने सभी एआरईओ कहा कि किसानों से चर्चा के दौरान बीज वितरण करें और उन्हें फसल प्रदर्शन के लिए शुरुआती दौर में तैयार करें। ऐसे किसानों की जानकारी भी संधारित करें। ताकि, आने वाले साल में उन किसानों को प्रोत्साहित किया जा सके। इस बैठक में उप संचालक कृषि एफआर कश्यप सहित जिले के सभी कृषि अधिकारी और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी मौजूद थे। उपसंचालक कृषि एफआर कश्यप ने बताया कि जिले में उच्चहन भूमि में धान के बदले दलहन तिहलन एवं अन्य फसल के लिए 15 हजार 150 रकबा हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य मिला है। जिसमें 9708 हेक्टेयर क्षेत्र में अन्य फसल की पूर्ति की गई है। इसी तरह जैविक खेती के लिए 440 हेक्टेयर क्षेत्र का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 358.88 हेक्टेयर क्षेत्र में पूर्ति कर ली गई है।

कुपोषण के खिलाफ मजबूत पहल

दो वर्षों में 357 गंभीर कुपोषित बच्चों को मिला नया जीवन, पोषण पुनर्वास केंद्र बना उम्मीद की किरण

महासमुंद। कलेक्टर विनय लंगेह के मार्गदर्शन में जिला अस्पताल महासमुंद स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) कुपोषित बच्चों के लिए नई उम्मीद बनकर उभरा है। पिछले दो वर्षों में एनआरसी के माध्यम से जिले के 357 गंभीर कुपोषित बच्चों का सफल उपचार कर उन्हें स्वस्थ जीवन की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। यह जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वित प्रयासों का परिणाम है। जिला अस्पताल में संचालित 15 बिस्तरों वाले एनआरसी में 1 माह से 5 वर्ष तक के गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों को पूरी तरह निःशुल्क उपचार, विशेष चिकित्सकीय निगरानी और संतुलित पोषण उपलब्ध कराया जाता है। उपचार के दौरान बच्चों को एफ-75, एफ-100 थेराप्यूटिक फूड, फार्मूला मिल्क के साथ-साथ दलिया, खिचड़ी, हलवा, इडली जैसे पौष्टिक एवं सुपाच्य आहार दिए जाते हैं, जिससे उनका वजन और स्वास्थ्य तेजी से सुधरता है। एनआरसी में बच्चों के साथ रहने वाली माताओं का भी विशेष ध्यान रखा जाता है। उन्हें प्रतिदिन दो समय का पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है तथा उपचार अवधि पूर्ण होने पर 2,250 रुपए की आर्थिक सहायता भी प्रदान की जाती है। साथ ही माताओं को घर पर स्थानीय खाद्य सामग्री से बच्चों के लिए स्वादिष्ट, पौष्टिक और संतुलित भोजन तैयार करने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है, ताकि उपचार के बाद भी बच्चों का पोषण स्तर बेहतर बना रहे। एनआरसी में भर्ती की प्रक्रिया भी सरल और सहज है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन की अनुशंसा पर अथवा पालकों की पहल पर बच्चों को सीधे भर्ती किया जा सकता है। महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर शीला प्रधान ने बताया कि वर्तमान में 15 सीटों वाले केंद्र में 13 बच्चों का उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में विश्वकर्मा नगर की तीन वर्षीय एक गंभीर रूप से कम वजन वाली बालिका को केंद्र में भर्ती किया गया है।

महिला कांग्रेस ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री जोशी व सांसद कंगना का फूंका पुतला

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

नवनियुक्त केंद्रीय शिक्षा मंत्री प्रहलाद जोशी द्वारा अनाचारियों के समर्थन वाले बयान व सांसद कंगना रणौत द्वारा नए पीढ़ी के छात्राओं को गटरबाज जैसे अपमानजनक कथनों से व्यथित महिला कांग्रेसजनों ने अखिल भारतीय महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलंका लांबा व प्रदेश महिला अध्यक्ष विधायक संगीता सिन्हा एवं जिलाध्यक्ष द्वारिकाधीश यादव के निर्देशानुसार महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय समन्वयक राशि त्रिभुवन महिलांग के नेतृत्व में स्थानीय नेहरू चौक मे पुतला दहन कर उक्त नेताओं के प्रति आक्रोश जाहिर कर हेट स्पीच कानून की धारा के तहत जुर्म दर्ज करने की मांग की।

पुतला दहन पश्चात राष्ट्रीय समन्वयक महिलांग ने कहा कि उक्त नेताओं की टिप्पणी सम्पूर्ण देश की मातृ शक्ति का अपमान है। जिस देश में नारी को मां-बहन बेटी व अन्य रिश्तों में पूजा जाता है। उक्त नेताओं द्वारा ऐसी ओछी टिप्पणी सारी मर्यादाओं की सीमा को पार करने जैसा है। पूर्व से वर्तमान भारत के विकास में नारियों के योगदान की बाते किसी से छिपी नही है, ऐसे विकृत मानसिकता के नेता महिलाओं को आज भी शोषण करने की सोच रखते है और बढ़ावा देते है। सांसद कंगना रणौत द्वारा भावी पीढ़ी के छात्राओं पर गटरबाज जैसी ओछी टिप्पणी करना उनके मानसिक दिवालियापन को प्रदर्शित करता है। हम सभी महिला कांग्रेसी उक्त कथनों का पुरजोर गांधीवादी तरीके से कर उन पर कानून के तहत कार्रवाई की मांग करते है। उक्त प्रदर्शन के दौरान महिला कांग्रेस के दुर्गा सागर, डॉ रश्मि चंद्राकर, सुनीता देवांगन, अमन चंद्राकर, गंगा बाघ, सूरज नायक, कुणाल चंद्राकर, ममता चंद्राकर, सोनम बंसोड़, तबु, गिरधर आवड़े, बबलू हरपाल, सलमान ख़ान, धीरज, कविता, ममता, अनुराग, आर्यन, सविता सागर, मनीषा, पूनम, बिटावन, लखेश्वरी, आरती, मनीषा भारद्वाज, पुनिया, भूरी बाई, दशोदा बाई, सजना, ललिता, सुनीता आदि मौजूद रहे।

गुरु पूर्णिमा पर स्कूल-कॉलेजों में पौधारोपण अभियान

सरायपाली। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली बढ़ाने की अनूठी पहल करते हुए संकर्षण पटेल (सेवानिवृत्ति व्याख्याता) ने सरायपाली विकासखंड के सभी शासकीय विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में पौधारोपण का अभियान चलाया। ज्ञान के साथ साथ चरित्र निर्माण कर समाज व राष्ट्र के भविष्य को बेहतर बनाने वाले गुरुजनों का पावन दिवस गुरु पूर्णिमा पर संकर्षण पटेल ने महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संध्या भोई, इको क्लब प्रभारी हेमलता पटेल एवं महाविद्यालय परिवार को अशोक, कदंब, आंवला, शीशम एवं पुत्र जीवक दुर्लभ औषधीय पादप निशुल्क प्रदान किए। महाविद्यालय के औषधि उद्यान में महाविद्यालय स्टाफ के साथ संकर्षण पटेल ने पौधरोपण भी किया। लगातार हो रही पेड़ पौधों की कटाई के कारण दुर्लभ औषधि वनस्पतियां तेजी से विलुप्त होती जा रही हैं, ऐसे समय में संकर्षण पटेल का यह अभियान इन प्रजातियों को बचाने की दिशा में सार्थक पहल माना जा सकता है। उनका यह प्रयास न केवल पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आने वाली युवा पीढ़ी के लिए भी प्रेरणा बन रहा है। एक पेड़ के नाम से अभियान की शुरुआत 7 जुलाई 2026 को उनके पैतृक ग्राम चंडीभौना स्थित विद्यालय से प्रारंभ हुई थी। मात्र 18 दिनों में विकासखंड के 38 संकुलों के अंतर्गत आने वाले 372 शासकीय विद्यालयों एवं दो शासकीय महाविद्यालयों तक निशुल्क पौधे पहुंचाकर एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया गया। पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अनूठी पहल की महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर संध्या भोई, इको क्लब प्रभारी हेमलता पटेल, आईक्यूएसी प्रभारी शब्या पटेल, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सराहना की।

बारिश से धंसा बरेकेल खुर्द का पुल, पिथौरा आने का संपर्क टूटा

पिथौरा (ग्रामीण)। क्षेत्र में लगातार हो रही झमाझम बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर हैं, वहीं खेत पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। भारी वर्षा के कारण ग्राम बरेकेल खुर्द का पुल धंस गया, जिससे पिथौरा मुख्यालय को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग प्रभावित हो गया है। पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण चार पहिया वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद हो गया है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से मरीजों, विद्यार्थियों और आवश्यक कार्यों के लिए पिथौरा आने-जाने वाले लोगों को कठिनाई हो रही है। ग्रामीणों ने प्रशासन से पुल की तत्काल मरम्मत कराने और जल्द से जल्द आवागमन बहाल करने की मांग की है।

सेजेस में कमल एसएमसी अध्यक्ष एवं राजेश बने उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली

स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम उत्कृष्ट विद्यालय में पालकों की बैठक सभा कक्ष में आयोजित की गई। बड़ी संख्या में उपस्थित पालकों द्वारा सर्वसम्मति से विद्यालय विकास एवं बालहित में कमल पटेल को अध्यक्ष, राजेश अग्रवाल को उपाध्यक्ष, पदेन सचिव सेजेस प्राचार्य गजेंद्र कुमार अरिल्ले, एसएमसी पालक सदस्य के रुप में शबनम खान, अहिल्या यादव, दुतिया अजगर, पद्मा सेठ, मोहनलाल निषाद, टीआर धृतलहरे, मो.अफजल, रिजवाना बेगम, सरिता यादव, सुनिता बारी, राजेंद्र जायसवाल, चंपालाल डडसेना, योगेश नायक, वंदना पटेल, राजेश पटेल, गिरिजा पटेल, डॉ आशीष दास, अरविंद जायसवाल तथा निर्वाचित जनप्रतिनिधि के रुप में पार्षद विकास सिंह एवं कुमारी भास्कर (सभापति एवं सदस्य जिला पंचायत), शिक्षाविद् केके पाणिग्राही एवं हेमसागर प्रधान, विद्यालय के व्याख्याता महेश नायक एवं जलंधर वर्गे सहित एसएमसी का गठन किया गया।

नवनियुक्त अध्यक्ष कमल ने समर्पित भाव से विद्यालय का विकास सामूहिक रुप से सबको साथ लेकर योजनाबद्ध ढंग से करने के संकल्प को सबके समक्ष रखा। उपाध्यक्ष राजेश ने कहा कि मुझे पूर्व से इस विद्यालय में सेवाकार्य किए जाने का अनुभव है, इस कार्य को विद्यालय हित, बालहित में और आगे बढ़ाने में अपना योगदान देने सार्थक प्रयास करूंगा।

कुमारी भास्कर ने कहा कि विद्यालय विकास एवं विद्यार्थियों के उपलब्धि बढ़ाने में एसएमसी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और इसके कर्तव्यों का सकुशल निर्वहन करना हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है इसलिए इस ध्येय से कार्य करने के लिए सबको प्रेरित किया। एसएमडीसी पूर्व अध्यक्ष एवं पालक सदस्य डॉ आशीष दास ने नवगठित एसएमसी की टीम निर्विवाद रूप से अपने कार्यकाल को सबके साथ मिलकर उपलब्धिमूलक बनाएंगे और शाला विकास में खूब योगदान देंगे। सेजेस सरायपाली प्राचार्य एवं पदेन सचिव (एसएमसी) जीके अरिल्ले ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

गुरु पूर्णिमा पर संगीत विद्यालय के शिक्षार्थियों ने गुरुओं को दी संगीतमय आदरांजलि

गुरु वंदना के साथ गीत-संगीत की हुई सुंदर प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ सरायपाली

संगीत विद्यालय में ज्ञान और श्रद्धा का पर्व गुरु पूर्णिमा श्रद्धा भक्ति तथा संगीतमय वातावरण में उल्लास पूर्वक मनाया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना तथा वैदिक मंत्रोच्चार, गुरु प्रार्थना से हुई। इस अवसर पर संगीत शिक्षार्थियों ने अपने गुरुओं और मार्गदर्शकों की चरण वंदना कर, श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता प्रकट करते हुए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। अवसर पर संचालक जन्मजय नायक ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल एक पर्व नहीं बल्कि यह आत्मबोध, आत्म चिंतन और आध्यात्मिक उन्नति का दिन भी है। यह आत्मिक गुरु या ईश्वर के उस स्वरूप को समर्पित है जो जीवन को सही दिशा देकर सार्थक बनाता है। गुरुओं को आदर और सम्मान देने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। नायक ने व्यास पूर्णिमा के संदर्भ में कहा कि वेदव्यास ने वेदों, पुराणों, महाभारत जैसे ग्रंथों की रचना करके सनातन धर्म को एक गहरी बौद्धिक नींव दी। प्राचार्य सुखनाथ चौहान ने कहा कि गुरु की महिमा अनंत और अपरंपार है। वे ज्ञान के प्रकाश स्तंभ हैं, जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करते हैं। गुरु-शिष्य के अंदर संचित विकारों को निकाल कर, उसके जीवन को सत्यपथ की ओर अग्रेषित करते हैं। इस अवसर पर गुरुओं ने संगीत शिक्षण के गुर बताए तथा शिष्यों द्वारा गीत-संगीत की सुंदर प्रस्तुति देकर गुरुओं को आदरांजलि दी।

खबर संक्षेप

कहार भोई समाज की हुई बैठक

महासमुंद। कहार भोई समाज महासमुंद कार्यकारिणी की बैठक आहूत की गई। जिसमें सर्वसम्मति से संरक्षक गजानंद गौतम, घस्सू यमराज एवं वरिष्ठ रिटायर शिक्षक, महासभा के प्रदेश कोषाध्यक्ष गणेश चंद्र गोहिल को राज का कोषाध्यक्ष मनोनीत किया गया। राज के सभी पंचों, महिलाओं ने नए पद के लिए तीनों पदाधिकारियों को गुलाल टीका लगाकर स्वागत किया। बैठक में राज का नया नाम मां कन्हाई परमेश्वरी निर्वाचित ग्रुप कहार भोई समाज महासमुंद राज रखा गया है। बैठक का संचालन राज के अध्यक्ष मनोज यमराज एवं आभार प्रकट राज के सचिव योगेश कुमार कश्यप ने किया।

पति, सास-ससुर के खिलाफ मानसिक प्रताड़ना का मामला दर्ज

महासमुंद। दहेज में कम सामान लाने का ताना देकर विवाहिता से जेवर और नगद राशि मांग कर प्रताड़ित करने के मामले में आरोपी पति, सास-ससुर के विरूद्ध बसना थाने में केस दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस ने बताया कि ग्राम बरोली की बिंदु साव ने थाना बसना में आवेदन दिया है कि उसका विवाह साल 2025 में लोकेश साव निवासी बरोली के साथ संपन्न हुआ था। विवाह के कुछ समय बाद से ही उसके पति लोकेश साव, सास राधाबाई साव व ससुर रमेश साव द्वारा दहेज में कम सामान लाने का ताना देते हुए सोने-चांदी के आभूषण व नगद राशि की मांग को लेकर शारीरिक एवं मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाने लगा, जिसे लेकर प्रार्थिया ने थाना बसना में शिकायत की तथा परिवार परामर्श केंद्र से काउंसलिंग भी कराई गई है। प्रार्थिया द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर आरोपियों के विरूद्ध धारा 85, 3(5) बीएनएस के तहत बसना थाने में मामला दर्ज किया गया है।

खरोरा में हुआ अखंड दुर्गा चालीसा पाठ

महासमुंद। ग्राम खरोरा के गुड़ी चौक में 29 जुलाई बुधवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक गुरु पूर्णिमा पर्व पर अखंड दुर्गा चालीसा पाठ का आयोजन किया गया। मां दुर्गा की जयकारे लगाकर महाआरती हुई। भगवती मानव कल्याण संगठन के टीम प्रमुख रंजीत चंद्राकर ने बताया कि नशामुक्त, मांसाहार मुक्त व चरित्रवान जीवन जीने की प्रेरणा देते हुए सदमार्ग पर समाज को बढ़ा रहे हैं। इस मौके पर परशुराम यादव, लक्ष्मीचंद धीवर, दुलार यादव, द्रोपती यादव, राधे निर्मलकर, तनू निर्मलकर, भीखम यादव, दिलीप सेन, भूषण चंद्राकर, झरना पटेल, हीराबाई आदि मौजूद रहे।

मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान कर विधायक ने बढ़ाया उत्साह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने मंगलवार को अपने निज निवास में महासमुंद विधानसभा क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। इनमें 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी शामिल थे। विद्यार्थियों को सम्मान-चिन्ह एवं प्रशस्ति देकर उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना की।

इस अवसर पर विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के विकास का सबसे सशक्त माध्यम है। मेहनत, अनुशासन और लगन के बल पर सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अन्य युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का सम्मान करना समाज के लिए गौरव की बात है, क्योंकि यही विद्यार्थी भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने परिवार, क्षेत्र और देश का नाम रोशन करेंगे। विधायक सिन्हा ने उन्हें निरंतर मेहनत, सकारात्मक सोच और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। अभिभावकों एवं शिक्षकों के योगदान की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि उनके मार्गदर्शन और सहयोग से ही विद्यार्थी सफलता के नए आयाम स्थापित करते हैं।

विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव को साझा किया। साथ ही उपस्थित शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा सपरिवार उपस्थित थे। साथ ही भाजपा नेतागण संदीप घोष, एम आर विश्वनाथन, सुजाता विश्वनाथन, दिनेश रूपरेला, रामेश्वर पटवा, गोपी कन्नौजे, गुड्डा सिन्हा सहित अन्य उपस्थित थें।

विधायक योगेश्वर सिन्हा ने कहाः शिक्षा ही विकसित भारत की सबसे सशक्त नींव

विद्यार्थी देश के भविष्य

विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के वैज्ञानिक, चिकित्सक, अभियंता, शिक्षक, प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि बनकर देश की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। इसलिए उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहकर निरंतर अध्ययन कीजिए तथा अपने माता-पिता, गुरुजनों और समाज का नाम रोशन करने का संकल्प लीजिए।

युवाओं का विकास में अहम योगदान

विधायक योगेश्वर राजू सिन्हा ने कहा कि आज का भारत युवाओं के सामर्थ्य और प्रतिभा के बल पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। विज्ञान, तकनीक, चिकित्सा, शिक्षा, प्रशासन, कृषि, उद्योग और खेल सहित हर क्षेत्र में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करते हुए नैतिक मूल्यों, सामाजिक जिम्मेदारियों और राष्ट्रसेवा की भावना को भी आत्मसात करना चाहिए।

बैठक : कलेक्टर विनय लंगेह ने पंजीयन कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश

धान विक्रय के लिए एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

कलेक्टर विनय कुमार लंगेह ने मंगलवार को समय-सीमा की बैठक में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के लिए धान विक्रय हेतु किसानों एवं संस्थाओं के एग्रीस्टैक पंजीयन कार्य की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में पंजीयन कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए सभी पात्र कृषकों एवं संस्थाओं का समय पर एग्रीस्टैक पंजीयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि धान उपार्जन के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

जिला खाद्य अधिकारी आशीष चतुर्वेदी ने बताया कि गत वर्ष धान विक्रय के लिए विभिन्न संस्थाओं, न्यासों, लोक न्यास मंदिर समितियों तथा अन्य सोसायटियों को एग्रीस्टैक पंजीयन से छूट प्रदान की गई थी। लेकिन खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में इन सभी संस्थाओं के लिए भी एग्रीस्टैक पंजीयन अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसी सभी संस्थाएं, जिन्हें गत वर्ष छूट प्राप्त थी, वे निर्धारित प्रारूप तहसीलदार कार्यालय, संबंधित सहकारी समिति अथवा जिला खाद्य शाखा से प्राप्त कर आवश्यक जानकारी भरकर जमा करें। प्रारूप में संस्था के अधिकृत प्रतिनिधि का नाम, मोबाइल नंबर, आधार नंबर, संस्था का पता, संस्था के पंजीयन का प्रकार एवं पंजीयन क्रमांक अंकित करना अनिवार्य होगा। साथ ही संस्था का पंजीकरण किस अधिनियम अथवा नियम के अंतर्गत किया गया है, जैसे सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860, भारतीय ट्रस्ट अधिनियम 1882, कंपनी अधिनियम, लोक न्यास अधिनियम अथवा अन्य किसी प्रासंगिक अधिनियम के अंतर्गत, इसका उल्लेख करते हुए संबंधित पंजीयन प्रमाण-पत्र की छायाप्रति भी संलग्न करना होगा।

खाद्य अधिकारी ने बताया कि भरे हुए आवेदन पत्र एवं आवश्यक दस्तावेज संबंधित सहकारी समिति, तहसील कार्यालय अथवा जिला खाद्य कार्यालय में जमा किए जाएंगे, जिसके आधार पर एग्रीस्टैक पंजीयन के लिए पोर्टल में डाटा प्रविष्टि कर लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड तैयार किए जाएंगे। जिन नई संस्थाओं द्वारा गत वर्ष धान विक्रय नहीं किया गया था, वे भी समस्त आवश्यक दस्तावेजों सहित जिला खाद्य कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत करें। आवेदन प्राप्त होने के बाद उनकी जानकारी पोर्टल में दर्ज कर एग्रीस्टैक पंजीयन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। संबंधित संस्थाओं एवं कृषकों से अपील की है कि वे बिना विलंब संबंधित कार्यालयों से निर्धारित प्रारूप प्राप्त कर आवश्यक जानकारी सहित समय पर जमा करें। इसके अलावा जिन कृषकों का एग्रीस्टैक पंजीयन हो चुका है, वे अपने छूटे हुए खसरों को जोड़ने के लिए भी आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रयास आवासीय विद्यालय के लिए 4 छात्रों का चयन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिथौरा (ग्रामीण)

- प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 में पिथौरा स्थित सिंह ट्यूटोरियल के चार छात्रों को मिली सफलता

प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 में पिथौरा स्थित सिंह ट्यूटोरियल के चार छात्रों ने सफलता हासिल कर संस्था और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी संस्था के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता हासिल किया है। चयनित छात्रों में नयन कुमार बंसल पिता अनूप बंसल, सार्थक अग्रवाल पिता राजकुमार अग्रवाल, आशिया यादव पिता रामचरण यादव तथा मनीत कौर पिता संदीप छाबड़ा शामिल हैं। गौरतलब है कि अंचल में पिछले चार वर्षों से संचालित सिंह ट्यूटोरियल के छात्र प्रतिवर्ष विभिन्न प्रतियोगी एवं प्रवेश परीक्षाओं में सफलता अर्जित कर रहे हैं। संस्था प्रमुख सतपाल सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों का सहयोग और शिक्षकों के मार्गदर्शन का यह परिणाम है।

प्रयास आवासीय विद्यालय के लिए तीन छात्रों का चयन

कोमाखान। क्षेत्र से प्रयास आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा 2026 में प्रथम सूची में राजवीर यादव, आंचल यादव एवं प्राची साहू का चयन हुआ है। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर कोमाखान संस्था में अध्ययनरत छात्राएं थे। उनकी इस सफलता में विद्यालय परिवार के प्रबंध समिति, पालक समिति एवं प्रधानाचार्य टिकेश्वर उपाध्याय और लता मानिकपुरी, केयूर भूषण देवांगन, त्रिवेणी यादव, माधवी यादव, संजू सिंह ठाकुर, समीक्षा चंद्राकार, रजनी थापा, लीला यादव, भारती यादव समेत विद्यालय परिवार ने हर्ष जताया।

सरस्वती शिशु मंदिर कोमाखान में मनाया गया कारगिल विजय दिवस

कोमाखान। स्थानीय सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में कारगिल विजय दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम भारतीय सैनिकों की शहादत के लिये मौन धारण कर उन परम योद्धाओं की आत्मा को परमात्मा अपने चरणों में स्थान के लिए प्रार्थना की गई। पश्चात प्रधानाचार्य टिकेश्वर उपाध्याय द्वारा भारतीय सेना की अनेक उपलब्धियों को छात्रों को बताया गया और सेना के प्रति सम्मान भावना के लिए प्रेरित किया। विजय दिवस पर समस्त आचार्य दीदी एवं आया दीदी एवं पालकों का योगदान प्रशंसनीय रहा।

मूकबधिर बच्चों के लिए स्पीच थेरेपी प्रारंभ करने पूर्व विधायक ने कलेक्टर को लिखा पत्र

महासमुंद। पूर्व संसदीय सचिव छग शासन व महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर ने कलेक्टर को पत्र प्रेषित कर जिले में मूक-बधिर बच्चों के लिए सरकारी स्तर पर स्पीच थेरेपी प्रारंभ करने की मांग की है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि जिले में पंजीकृत और अपंजीकृत बड़ी संख्या में मूक-बधिर बच्चे निवासरत हैं, जिनमें से अधिकांश गरीब तबके के परिवारों से आते हैं। इन बच्चों के सर्वांगीण विकास और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए स्पीच थेरेपी अत्यंत आवश्यक है, लेकिन वर्तमान में शासकीय स्तर पर इस सुविधा का अभाव है। पूर्व विधायक ने बताया कि समाज कल्याण विभाग द्वारा ग्राम खैरा स्थित बहुविकलांग भवन में पहले से ही बहुविकलांग बच्चों के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उसी भवन में यदि स्पीच थेरेपी की व्यवस्था भी शुरू कर दी जाए तो संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जरूरतमंद बच्चों को उनके घर के नजदीक ही उपचार मिल सकेगा। उन्होंने सुझाव दिया कि इस कार्य के लिए समाज कल्याण विभाग के पास निराश्रित निधि अथवा मंडी शुल्क से प्राप्त राशि का उपयोग किया जा सकता है। पूर्व में भी इसी निधि से बहुविकलांग भवन का निर्माण और संचालन किया गया था, इसलिए अब इस निधि को बच्चों की थेरेपी के लिए भी उपयोग में लाया जाना चाहिए। पत्र में यह भी कहा गया है कि अभी एक निजी एनजीओ द्वारा बिना पंजीयन के स्पीच थेरेपी कराई जा रही है, जिसके लिए प्रतिदिन लगभग 500 रुपये का शुल्क लिया जा रहा है। गरीब परिवार वर्षों तक चलने वाली इस थेरेपी का इतना खर्च वहन करने में सक्षम नहीं हैं, जिससे कई बच्चे उपचार से वंचित रह जा रहे हैं। यदि शासन द्वारा शीघ्र पहल नहीं की गई तो जिले के सैकड़ों बच्चों का भविष्य अंधकारमय हो सकता है। चंद्राकर ने कलेक्टर से अनुरोध किया है कि समाज कल्याण विभाग अथवा जिला खनिज न्यास निधि के माध्यम से तत्काल स्पीच थेरेपी प्रारंभ करने की स्वीकृति प्रदान की जाए, ताकि जिले के गरीब और जरूरतमंद मूक-बधिर बच्चों को समय पर आवश्यक सहायता मिल सके और वे आत्मनिर्भर जीवन जीने में सक्षम बन सकें।

संसद में प्रधान का स्वागत कर केंद्र सरकार ने छात्रों के घाव पर छिड़का नमक : आलोक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

- कांग्रेस नेता आलोक ने कहाः संसद में पूर्व शिक्षा मंत्री का बाजे-गाजे के साथ स्वागत लोकतंत्र का मजाक

छत्तीसगढ़ जीव जंतु कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष व कांग्रेस के प्रदेश संयुक्त महामंत्री आलोक चंद्राकर ने संसद के पवित्र मकर द्वार पर पूर्व शिक्षा मंत्री का बाजे-गाजे के साथ स्वागत किए जाने की कृत्य का निंदा करते हुए इसे लोकतंत्र का मजाक और 28 करोड़ छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ बताया है।

चंद्राकर ने कहा कि पिछले दो वर्षों में पूरा देश देख रहा है कि एक तरफ नीट, सीयूईटी और अन्य राष्ट्रीय परीक्षाओं में पेपर लीक की बाढ़ आ गई। दूसरी तरफ सड़कों पर अपने हक के लिए उतरे छात्रों पर लाठियां और जेल की कार्रवाई की गई। बिहार से लेकर राजस्थान तक, बच्चों के हाथ में किताब की जगह हथकड़ी आई। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी आज एक उद्योग बन चुकी है। जहां गरीब मेहनती छात्र फेल हो जाते हैं और सिस्टम के दलाल पास हो जाते हैं। और जब जिम्मेदारी तय करने का समय आया, तो सरकार ने जांच नहीं की, निलंबन नहीं किया। उल्टे उसी सिस्टम के सबसे बड़े संरक्षक का संसद में ढोल-नगाड़ों से स्वागत कर दिया। यह स्वागत नहीं है। यह उन माताओं के आंसुओं का अपमान है जिनके बच्चे रात-रात भर पढ़कर भी सिस्टम की साजिश का शिकार हुए। यह उन शिक्षकों का अपमान है जो ईमानदारी से पढ़ाते हैं।

आलोक ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार को यह समझ लेना चाहिए कि शिक्षा कोई इवेंट मैनेजमेंट नहीं है। यहां फेल होने पर दोबारा परीक्षा होती है, दोबारा सरकार नहीं बनती। केंद्र सरकार ने एनटीए को ढाल बना कर अपनी नाकामियों को छिपाया है। छात्रों की पीड़ा को कानून व्यवस्था का मुद्दा बना कर दबाया है, जिसे देश कभी माफ नहीं करेगा। उन्होंने मांग की है कि पेपर लीक के सभी मामलों की सुप्रीम कोर्ट के सीटिंग जज से जांच हो। एनटीए को भंग कर एक पारदर्शी, राज्य भागीदारी वाली नई परीक्षा संस्था बनाई जाए। छात्रों पर लाठीचार्ज करने वाले अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज हो और पीड़ित परिवारों को मुआवजा मिले। शिक्षा बेचने वालों का स्वागत और पढ़ने वालों पर लाठी। यह नया भारत नहीं, यह टूटते भारत की तस्वीर है।

वीएसके एप से 1 लाख शिक्षकों का कट जाएगा वेतन

वीएसके एप से जुलाई में माहभर की उपस्थिति संभव नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा ने दावा किया है कि किसी भी शिक्षक का माह भर वीएसके एप में उपस्थिति असंभव है, क्योंकि यह एप तकनीकी रूप से त्रुटिपूर्ण है, जिसके कारण समय पर चेक इन, चेक आउट, लोकेशन, सर्वर, इंटरनेट, विद्यालय से दूरी, इस प्रकार की बाधाओ के कारण नियमित रूप से प्रातः 10 से सायं 4 बजे तक उपस्थिति प्रदर्शित कर ही नहीं रहा है, और दो पाली की शाला में भी यही दिक्कत है।

शिक्षा विभाग द्वारा यह कहा जा रहा है कि 83 प्रतिशत शिक्षकों द्वारा वीएसके एप में उपस्थिति दी जा रही है, यह उपस्थिति के आंकड़े संभव तो है लेकिन 83 प्रतिशत शिक्षकों की पूरे जुलाई माह में वीएसके एप के माध्यम से उपस्थिति डीपीआई, संयुक्त संचालक, जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लाक शिक्षा अधिकारी, डीईओ प्रमाणित नहीं कर सकते। इसलिए केवल वीएसके में उपस्थिति के आधार पर शिक्षकों को पूरे जुलाई माह भर का वेतन मिलना संभव ही नहीं है। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश संगठन मंत्री डॉ पूर्णानंद मिश्र ने कहा है कि शिक्षकों को वीएसके एप अपनी मोबाइल में डाउनलोड करने के लिए कहा गया था। उसके तहत शिक्षकों ने ऐप को डाउनलोड तो किया है, लेकिन जुलाई माहभर की निरंतर उपस्थिति अपूर्ण है। पूर्ण समय तक शिक्षकों की उपस्थिति वीएसके ऐप से प्रमाणित नहीं किया जा सकता, इसके लिए सर्वोत्तम पद्धति पूर्व का ही है। जिसमें प्राचार्य, प्रधान पाठकों के पास शिक्षक उपस्थिति पंजी संधारित किया जाता है। वीएसके एप की उपस्थिति को शालाओं में शिक्षक उपस्थिति पंजी से प्रमाणित कर जुलाई माह का वेतन दिया जाए। संजय शर्मा ने कहा है कि उपस्थिति प्रमाणित किये बिना एक लाख से अधिक शिक्षकों की वेतन कटौती करना संभव ही नहीं है, शिक्षकों को किसी भी प्रकार से अभी तक नोटिस व अल्टीमेटम तक नहीं दिया गया है, ऐसे में वेतन की कटौती किया जाना संभव नही है। अतः त्रुटि पूर्ण वीएसके एप को सक्षम बनाएं बिना इस प्रकार का अव्यवहारिक आदेश अन्यायपूर्ण है।

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन शिक्षकों की वेतन कटौती का पुरजोर विरोध करेगा, चाहे वह प्राचार्य डीडीओ हो, चाहे वह विकासखंड शिक्षा अधिकारी डीडीओ हो, जिस डीडीओ के अंदर शिक्षकों की वेतन कटौती होगी, ऐसे डीडीओ का घेराव 7 अगस्त को प्रदेशभर में किया जाएगा। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने डीपीआई से यह मांग की है कि वीएसके एप से संबंधित वेतन निकालने के आदेश को शिथिल करें व प्राचार्य, प्रधान प्रधान पाठक के संधारित शाला की उपस्थिति पंजी से प्रमाणित कराकर वेतन आहरण का आदेश जारी करें, सीधे-सीधे वेतन कटौती किए जाने का हर स्तर पर विरोध किया जाएगा। क्योंकि, शिक्षकों ने समय पर अपनी शाला में उपस्थिति दी है। तकनीकी कारण से एप में वह संधारित नहीं हुआ है, ऐसी स्थिति में वेतन कटौती को शिक्षक सहन नहीं करेंगे, शिक्षा विभाग ऑनलाइन अटेंडेंस की और आगे बढ़ रहा है तो संघ की यह मांग है कि बायोमेट्रिक मशीन प्रत्येक शालाओं को उपलब्ध कराया जाए।

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर स्क्रीनिंग एवं टीकाकरण शिविर का आयोजन

महासमुंद। विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर राष्ट्रीय वायरल हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) के अंतर्गत 28 एवं 29 जुलाई 2026 को भारत चिकित्सा महाविद्यालय एवं संबद्ध चिकित्सालय महासमुंद में हेपेटाइटिस बी एवं सी की स्क्रीनिंग एवं हेपेटाइटिस बी टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस वर्ष भारत सरकार द्वारा विश्व हेपेटाइटिस दिवस की थीम आइए इसे विस्तार से समझते हैं लोगों और जीवनरक्षक स्वास्थ्य सेवाओं के बीच मौजूद बाधाओं को दूर करें निर्धारित की गई है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई नागेश्वर राव के निर्देशानुसार आयोजित इस दो दिवसीय शिविर में भारत चिकित्सा महाविद्यालय में अध्ययनरत अंतिम वर्ष के एमबीबीएस छात्र-छात्राओं, इंटर्न, सीनियर एवं जूनियर रेजिडेंट चिकित्सकों तथा अधिकारियों-कर्मचारियों को हेपेटाइटिस बी एवं सी संक्रमण से बचाव के लिए स्क्रीनिंग एवं टीकाकरण की सुविधा प्रदान की गई। कार्यक्रम का संचालन जिला नोडल अधिकारी (एनवीएचसीपी) डॉ. छत्रपाल चंद्राकर तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक नीलू घृतलहरे के मार्गदर्शन में किया गया। शिविर के दौरान कुल 54 अधिकारी-कर्मचारियों एवं एमबीबीएस छात्र-छात्राओं की हेपेटाइटिस बी एवं सी की स्क्रीनिंग की गई। जांच रिपोर्ट निगेटिव प्राप्त होने के बाद सभी पात्र प्रतिभागियों को हेपेटाइटिस बी का टीका लगाया गया।

आयोजन : सरस्वती शिशु मंदिर में गुरु पूर्णिमा पर्व पर आचार्य सम्मान समारोह का आयोजन

आचार्य विद्यार्थियों को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए भी उनकी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर न होने दें : पुरोहित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बागबाहरा

स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय संचालन समिति के सदस्य अनिल पुरोहित ने कहा है कि गुरु पूर्णिमा केवल एक तिथि नहीं, बल्कि भारतीय ज्ञान परम्परा, कृतज्ञता और साधना की समृद्ध विरासत को नमन करने का पावन पर्व है। सरस्वती शिशु मंदिर में इस दिन का महत्व और भी विशेष हो जाता है। पुरोहित विद्यालय में गुरु पूर्णिमा पर्व पर आयोजित आचार्य सम्मान समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहे थे।

पुरोहित ने कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल एक विद्यालय नहीं, बल्कि संस्कारों का स्रोत है। जहाँ अन्य शैक्षणिक संस्थानों में केवल पुस्तकीय ज्ञान पर बल दिया जाता है, वहीं शिशु मंदिर में शिक्षा का मूल उद्देश्य ऐसा समर्थ नागरिक तैयार करना है जो अपनी जड़ों और अपनी संस्कृति से जुड़ा रहे। विद्या भारती की परंपरा में शिक्षकों को आचार्य कहा जाता है। सशिमं के आचार्य अपने विद्यार्थियों के लिए केवल एक मार्गदर्शक नहीं, बल्कि एक जीवन्त आदर्श होते हैं। अत्यन्त सीमित संसाधनों में भी देश के भविष्य को गढ़ने के लिए उनका समर्पण अनुकरणीय है। पुरोहित ने आधुनिक डिजिटल युग और भौतिकता के दौर में आचार्यों की भूमिका को अधिक चुनौतीपूर्ण और महत्वपूर्ण बताते हुए इस बात पर बल दिया कि आचार्य विद्यार्थी भैया-बहनों को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए भी उनकी सांस्कृतिक जड़ों को कमजोर न होने दें।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संचालन समिति के सदस्य

यह सम्मान आचार्य-परिवार के अहर्निश परिश्रम और राष्ट्र-निर्माण में योगदान का निष्कपट वंदन : जैन

नरेश जैन ने कहा कि गुरु पूर्णिमा का अवसर हम सभी विद्यार्थियों, अभिभावकों और प्रबंध समिति के लिए आचार्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का सबसे उपयुक्त समय है। यह सम्मान समारोह उनके अहर्निश परिश्रम और राष्ट्र-निर्माण में उनके योगदान का निष्कपट वंदन है। आचार्यों का सम्मान वास्तव में गुरु-शिष्य परंपरा का सम्मान है। जब हम अपने आचार्यों का चरण-वंदन करते हैं या उन्हें सम्मानित करते हैं, तो हम आने वाली पीढ़ी को यह सिखाते हैं कि विद्या का पहला नियम नम्रता और कृतज्ञता है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं वंदना के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के भैया/बहनों ने गुरु महिमा पर आधारित प्रेरक भाषण गीत एवं कविता की मनमोहक प्रस्तुतियां दी और अपने गुरुओं के प्रति श्रद्धा, सम्मान एवं कृतज्ञता का भाव अत्यन्त प्रभावी ढंग से व्यक्त किया। कार्यक्रम की विशेष कड़ी में विद्यालय संचालन समिति सागरचंद अग्रवाल स्मृति शिक्षा समिति द्वारा समस्त आचार्यों एवं कर्मचारियों को भेंट अर्पित कर सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन बहिन साधना देवांगन एवं बहिन अमृता साहू ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी आगंतुकों का आभार प्रदर्शन आचार्य किशोर भारती अध्यक्ष दीपक ओगरे द्वारा किया गया।

साराडीह स्कूल में मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व

महासमुंद। शासकीय प्राथमिक शाला साराडीह में गुरु पूर्णिमा का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शाला की शिक्षिका देवकी सिंह दीवान द्वारा नेता भोज का आयोजन किया गया। शाला के प्रधान पाठक मंजू चंद्राकर द्वारा गुरु के महत्व के बारे में बताया गया एवं पूर्व सरपंच साजन यादव द्वारा गुरु की महिमा का वर्णन किया गया। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष उपाध्यक्ष ऋतु साहू, पलक सदस्य काजल मारकंडे, शाला के शिक्षक भारती चंद्राकर, सुनीता पटेल, माहेश्वरी मारकंडे उपस्थित रहे।

ऋषिकेश गए दिव्य जीवन संघ के 25 सदस्य

महासमुंद। गुरु पूर्णिमा पर दिव्य जीवन संघ के 25 सदस्य योग नगरी ऋषिकेश में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि गुरु पूर्णिमा पर 29 जुलाई से स्वामी शिवानंद सरस्वती के 63वीं पुण्यतिथि एवं गुरु पूर्णिमा पर साधना सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। यहां देश एवं विदेश से लोग शामिल होने आते हैं। इस धार्मिक आयोजन में विद्यानंद सरस्वती, दौलत चंद्राकर, रामनिवास चंद्राकर, तारेंद्र चंद्राकर, लक्ष्मीनाथ चंद्राकर, कोमल गुप्ता, अजय गुप्ता, रविंद्र जैन, प्रमोद चंद्राकर, देवकुमार साहू, सविता चंद्राकर, सुनील राजपाल, पंकज चंद्राकर, चंद्रिका प्रसाद चंद्राकर, देवेंद्र चंद्राकर, विमला चंद्राकर, प्रेमा चंद्राकर, भूमिका चंद्राकर आदि शामिल है।

गुरु पूर्णिमा पर गुरुओं का हुआ सम्मान

बसना। गुरु पूर्णिमा पर आयोजित कार्यक्रम में गुरुजनों के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने दीप प्रज्ज्वलित कर गुरु परंपरा का स्मरण किया। कार्यक्रम के दौरान शिक्षाविद् आरके दास का नारियल एवं साल फूल भेंटकर आत्मीय स्वागत और सम्मान किया गया। वक्ताओं ने अपने संबोधन में गुरु के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गुरु ही ज्ञान, संस्कार और जीवन में सही मार्गदर्शन का आधार होते हैं। गुरु के आशीर्वाद और शिक्षा से ही व्यक्ति अपने जीवन में सफलता प्राप्त करता है। कार्यक्रम का समापन गुरुजनों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए समाज में शिक्षा, संस्कार और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने का संकल्प लेने के साथ हुआ। कार्यक्रम में प्राचार्य भगवती जगत, उपप्राचार्य नंदिनी प्रधान, उषा बीसी, हसीना बेगम, आरती नाग, सबनम जौहरी, संगीता बारीक़, जयशवंती पोर्ते, सविता जायसवाल, गणेश सिदार, परमानंद पटेल, टोमेंद्र साव और पालक उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा एवं बाल संसद गठन का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बसना

शासकीय प्राथमिक शाला गढ़पटनी में गुरु पूर्णिमा का पर्व श्रद्धा, उत्साह एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ गुरुजनों के सम्मान एवं गुरु वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा के महत्व से अवगत कराया गया तथा गुरु-शिष्य परंपरा की महानता पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए गुरुजनों का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में बाल संसद का भी गठन किया गया। बाल संसद का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, उत्तरदायित्व तथा लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास करना है। इस गठन में रोहित पटेल को प्रधानमंत्री तथा मन्नत नायक को उपप्रधानमंत्री चुना गया। खेल मंत्री के रूप में मानसी एवं जयराज, पर्यावरण मंत्री के रूप में तमन्ना एवं ध्रुव दास, सफाई एवं स्वास्थ्य मंत्री के रूप में भूमि पटेल एवं पुष्पेंद्र पटेल, सांस्कृतिक मंत्री के रूप में मीनाक्षी एवं प्रतीक, पुस्तकालय मंत्री के रूप में हिमांशु एवं संध्या, प्रार्थना प्रभारी के रूप में शांतनु एवं चहल, मध्यान्ह भोजन प्रभारी के रूप में रामेश्वरी एवं विकास, व्यायाम प्रभारी के रूप में शिवानी एवं ताराचंद को जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही रोहित पटेल को शाला नायक तथा मन्नत नायक को शाला नायिका का दायित्व प्रदान किया गया।

इस अवसर पर प्रधान पाठक सरविंद सिदार ने गुरु पूर्णिमा के महत्व को बताते हुए कहा कि गुरु जीवन का मार्गदर्शक होता है, जो ज्ञान, संस्कार और जीवन के सही मार्ग का बोध कराता है। उन्होंने नवगठित बाल संसद के सभी पदाधिकारियों से कहा कि वे अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी, अनुशासन एवं समर्पण के साथ निर्वहन करें तथा विद्यालय के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने विद्यार्थियों को नेतृत्व, सहयोग और सेवा की भावना से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सहायक शिक्षक लगन नाग एवं खीरवंती भोई की उपस्थिति रही। दोनों शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को अपनी जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक पालन करने तथा अनुशासित एवं आदर्श छात्र बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का समापन सभी विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय की प्रगति, स्वच्छता, अनुशासन एवं उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण बनाए रखने के संकल्प के साथ हुआ। गुरु पूर्णिमा एवं बाल संसद गठन का यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायी एवं यादगार साबित हुआ।

होली फेथ स्कूल में हुई विविध स्पर्धा

महासमुंद। द न्यू होली फेथ स्कूल में विज्ञान प्रदर्शनी सेमिनार, क्विज प्रतियोगिता एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ हंसवाहिनी माता सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस मौके पर संस्था के चेयरमैन महेंद्र जैन मौजूद रहे।

महर्षि विद्या मंदिर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया गुरु पूर्णिमा का पर्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महासमुंद

महर्षि विद्या मंदिर मचेवा में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व श्रद्धा, भक्ति एवं भारतीय संस्कृति के अनुरूप हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार गुरु पूजन एवं मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण के साथ हुआ। पूजन एवं माल्यार्पण का कार्य सुभाष पांडेय एवं संदीप शर्मा द्वारा कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अरुण प्रधान (प्राचार्य डीआईईटी), विशिष्ट अतिथि नंद कुमार सिन्हा (उप संचालक, जिला शिक्षा कार्यालय), रामजी प्रसाद तिवारी (सेवानिवृत्त प्रधान पाठक) तथा विद्यालय के प्राचार्य आरके तिवारी उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ भेंटकर किया गया। अरुण प्रधान का स्वागत प्राचार्य आरके तिवारी, नंद कुमार सिन्हा का सुभाष पांडेय, रामजी प्रसाद तिवारी का संदीप शर्मा तथा विद्यालय के प्राचार्य आरके तिवारी का स्वागत दुर्गेश कन्नौजे ने किया। कार्यक्रम का संचालन लिशी देवांगन एवं राखी यादव ने किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में विद्यालय के प्राचार्य आरके तिवारी ने कहा कि गुरु ही जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने सभी विद्यार्थियों को गुरुजनों के प्रति सदैव श्रद्धा, सम्मान एवं समर्पण का भाव बनाए रखने का संदेश दिया। अरुण प्रधान ने अपने संबोधन में गुरु-शिष्य परंपरा की महत्ता बताते हुए विद्यार्थियों को अपने गुरुजनों का सम्मान करने, उनके आदर्शों का अनुसरण करने तथा ज्ञान के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। अपने उद्बोधन में नंद कुमार सिन्हा ने गुरु की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि गुरु केवल शिक्षा ही नहीं देते, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार एवं चरित्र का भी निर्माण करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से जीवन में अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने का आह्वान किया। रामजी प्रसाद तिवारी ने गुरु शब्द का वास्तविक अर्थ स्पष्ट करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में गुरु का होना अत्यंत आवश्यक है। गुरु ही अज्ञान रूपी अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं तथा जीवन को सही दिशा एवं उद्देश्य प्रदान करते हैं। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों द्वारा गुरु महिमा पर आधारित मनमोहक नृत्य, प्रेरणादायी नाटक, ओजस्वी भाषण एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं।

गुरु पूर्णिमा पर 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ के साथ 50 बच्चों का हुआ विद्यारंभ संस्कार

महासमुंद। स्थानीय गायत्री शक्तिपीठ में गुरु पूर्णिमा पर 5 कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं विविध संस्कारों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लगभग 400 श्रद्धालुओं ने गायत्री महायज्ञ में आहुति समर्पित कर विश्वशांति एवं जनकल्याण की कामना की। महायज्ञ के पश्चात पर्व पूजन का क्रम प्रारंभ हुआ। अतिथियों द्वारा गायत्री माता, पं. श्रीराम शर्मा आचार्य (गुरुदेव) एवं भगवती देवी शर्मा का विधिवत आवाहन एवं पूजन किया गया। पूजन कार्य ललित मेश्राम द्वारा कराया गया। इस अवसर पर जिला संगठन प्रभारी हीरालाल साहू ने शांतिकुञ्ज, हरिद्वार का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक परिजन साधना, स्वाध्याय एवं संयम को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाए तथा गुरु के बताए मार्ग पर चलकर अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाए। जिला समन्वयक बोधराम साहू ने कहा कि गुरु की कृपा सदैव हम सभी पर बनी हुई है। गायत्री परिवार गुरु के प्रेम और आत्मीयता के सूत्र में बंधा हुआ परिवार है। उन्होंने कहा कि स्वयं के सुधार से ही परिवार, समाज और राष्ट्र का निर्माण संभव है, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी साधना को निरंतर बढ़ाना चाहिए। कार्यक्रम का प्रभावी संचालन भारत सिंह साहू ने किया। इस अवसर पर देव संस्कृति विद्यालय के 50 बच्चों का विद्यारंभ संस्कार संपन्न कराया गया। साथ ही वैभव वास्तव एवं बोधराम साहू का जन्मदिवस संस्कार तथा दो दीक्षा संस्कार भी संपन्न हुए। कार्यक्रम के समापन अवसर पर गुरु पूर्णिमा से प्रारंभ होने वाले 40 दिवसीय साधना-अनुष्ठान के लिए सभी श्रद्धालुओं को संकल्प कराया गया। शांति पाठ के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के लिए भोजन-प्रसाद की व्यवस्था मुकेश श्रीवास्तव द्वारा की गई। इस अवसर पर गायत्री परिवार के बड़ी संख्या में परिजन, देव संस्कृति विद्यालय के विद्यार्थी, अभिभावक एवं नगर के श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

तुमगांव बालक स्कूल में छात्रों को बांटे ड्रेस

महासमुंद। गुरु पूर्णिमा पर शासकीय बालक प्राथमिक शाला तुमगांव में नवीन स्कूल ड्रेस का वितरण कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना एवं गुरुजनों के सम्मान के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को नई स्कूल ड्रेस वितरित की गई, जिससे बच्चों में अत्यंत उत्साह एवं खुशी का माहौल देखने को मिला। विद्यालय के शिक्षकों ने बताया कि शासन द्वारा प्रदान की गई यह पहल बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ाने तथा समानता की भावना विकसित करने में सहायक सिद्ध होगी। कार्यक्रम में संस्था प्रमुख संगीता रात्रे, शिक्षक जितेंद्र कुमार साहू, बलराम नेताम, प्रभा कोसले एवं अभिभावक उपस्थित रहे। अंत में विद्यार्थियों को गुरु पूर्णिमा के महत्व के बारे में बताया गया तथा गुरुजनों के प्रति सम्मान बनाए रखने का संदेश दिया गया।

गुरु पूर्णिमा पर विद्यार्थियों ने किया गुरु वंदन निबंध स्पर्धा के विजेताओं का भी हुआ सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अरंड (पिथौरा)

विद्यार्थियों में गुरु के प्रति सम्मान, कृतज्ञता तथा भारतीय संस्कृति के आदर्श मूल्यों का विकास करने के उद्देश्य से शासकीय उच्च प्राथमिक शाला कसहीबाहरा में गुरु पूर्णिमा का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन एवं सरस्वती वंदना से हुआ। इसके पश्चात विद्यार्थियों ने गुरु वंदना गीत प्रस्तुत कर शिक्षकों का तिलक-वंदन किया तथा चरण स्पर्श कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर संस्था प्रमुख हेमंत खुटे ने गुरु पूर्णिमा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए संत कबीरदास के प्रसिद्ध दोहे गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय... का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान भगवान से भी श्रेष्ठ माना गया है, इसलिए प्रत्येक विद्यार्थी को अपने गुरु का सदैव सम्मान करना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को महाभारतकालीन आरुणि की गुरुभक्ति की प्रेरक कथा भी सुनाई।

शिक्षक दिलीप कुमार पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि गुरु के मार्गदर्शन के बिना ज्ञान की प्राप्ति संभव नहीं है तथा जीवन में सफलता के लिए गुरु का सम्मान और उनके बताए मार्ग पर चलना आवश्यक है। कार्यक्रम के दौरान 'गुरु का जीवन में महत्व ' विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को नोटबुक एवं कलम प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान कुलदीप पटेल, द्वितीय स्थान शुभम विश्वकर्मा तथा तृतीय स्थान भोमेश पटेल ने प्राप्त किया। अंत में संस्था प्रमुख हेमंत खुटे ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को गुरु के आदर्शों पर चलने का संकल्प दिलाया। वृक्षारोपण एवं सामूहिक प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।